



Department of  
Education

8 से 12 वर्ष के बच्चों के अभिभावकों के लिए

# Never STOP READING!

## आपके बच्चे के साथ ऊँची आवाज़ में पढ़ने के लिए विचार

अभिभावक के तौर पर, आप अपने बच्चे की पढ़ने की आदत को बढ़ाने और उसे बनाए रखने में मदद कर सकते हैं - और यह सीखने के प्रति रुचि विकसित करने में उनकी मदद करता है।

जब आप अपने बच्चे के साथ घर पर ऊँची आवाज़ में पढ़ते हैं, तो यह अनुभव उनमें आपसे जुड़े होने और सुरक्षित होने की स्मृतियाँ और भावनाएँ पैदा करता है। यह आपके बच्चे को नई चीज़ें सीखने, दूसरों के विचारों के बारे में सोचने, और उनके आसपास की दुनिया से जुड़े सवालों के बारे में सोचने में भी मदद करता है।

पढ़ना आनंद के साथ-साथ सीखने के लिए भी है। यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं, जो पढ़ने को और रोचक व आनंददायक बनाने में आपके बच्चे की सहायता करते हैं।

### इससे पहले कि आप पढ़ना शुरू करें

- स्वयं को सहज बनाएं, आराम से रहें और जल्दबाज़ी न करें। अनुभव का आनंद उठाने के लिए सचमुच शांत रहें!
- जब आप कोई जानी-पहचानी किताब पढ़ें, तो अपने बच्चे से पूछें कि क्या उन्हें याद है कि पिछली बार जब आपने किताब पढ़ी थी तो क्या हुआ था और उन्हें विशेष पात्रों व घटनाओं के बारे में सुनने दें।
- जब आप कोई नई किताब पढ़ें, उसे पहले से ही देख लें, ताकि आपको शब्दों, अवधारणाओं और परिस्थितियों के बारे में पता रहे, जिनके बारे में आप बात कर सकें।

- पढ़ना शुरू करने से पहले, आप क्या पढ़ रहे हैं, इसके बारे में अपने बच्चे के साथ बात करें। उदाहरण के लिए, यदि कहानी दूसरे देश की है, तो आप उस देश के बारे में जो जानते हैं, उसके बारे में बात करें, जैसे उस देश का भोजन या सुप्रसिद्ध इमारत या वहाँ के लोग क्या पहनते हैं। आप अपने प्रश्नों के बारे में भी बात कर सकते हैं।
- अपने बच्चे से यह पूर्वानुमान लगाने के लिए कहें कि उनके हिसाब से क्या होने वाला है और उन्हें ऐसा क्यों लगता है। वे किताब के शीर्षक, कवर पृष्ठ, चित्रों और आरेखों से एवं कहानी में जिन घटनाओं का खुलासा होता है, उससे आइडिया ले सकते हैं।

### पढ़ने के दौरान

- सुविधापूर्ण गति से ऊँची आवाज़ में पढ़ें, जिससे आपके बच्चे जो सुन रहे हैं उसके अनुसार उन्हें अपने दिमाग में उसकी तस्वीर बनाने का समय मिल जाए। सीखने के लिए कल्पनाशक्ति एक ज़बरदस्त तरीका है।
- अगर किताब में चित्र हैं, तो अपने बच्चे को उन्हें देखने का समय दें। यह नए शब्द पढ़ने के द्वारा उनका शब्दकोश बढ़ाने का समय हो सकता है। उदाहरण के लिए, "तस्वीर में डेविड 'चिंतित' नज़र आता है, नहीं क्या? 'चिंतित' होना संभावित रूप से होने वाली घटना को लेकर भयभीत होना है." चिंतित होने के लिए आप समान अर्थ वाले शब्दों के बारे में भी बात कर सकते हैं- उदाहरण के लिए, परेशान, चिंताशील, शंकास्पद...

बच्चे सीखने के लिए तैयार होते हैं और जन्म से ही, किसी पसंदीदा विषय पर ध्वनि, भाषा पैटर्न और कहानियों की किबातों की छवियों को साझा करने के दौरान माता-पिता के खेहिल आलिंगन से उन्हें बहुत लाभ होता है। इसके बाद भी बच्चे अपने लिए पढ़ सकते हैं, वे अपने माता-पिता के साथ किताबें साझा करके उसका लाभ (और आनंद) लेना जारी रखते हैं। अतः उन्हें पढ़ने से कभी न रोकें।





# Never STOP READING!

- गैर-काल्पनिक किताबों में, जानकारी अक्सर शब्दों और तस्वीरों दोनों से ही प्रस्तुत की जाती है। आरेखों, मानचित्रों, तालिकाओं और चित्रों पर रुकें - और आपके बच्चे उनसे क्या सीख सकते हैं, इस बारे में अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।
- कहानी में जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ रुकें और अपनी प्रतिक्रिया व विचार साझा करें। उदाहरण के लिए “मुझे आश्चर्य है कि इसके बारे में <मुख्य चरित्र> कैसा महसूस करता है?”
- बच्चे व्यक्तिगत कहानियाँ सुनना पसंद करते हैं, इसलिए अपने पढ़ने के दौरान अपनी कहानियाँ साझा करें। उदाहरण के लिए, “एक बार मेरे साथ यह हुआ था और...”
- अपने बच्चे को किताब के बारे में प्रतिक्रिया देने का और प्रश्न पूछने का अवसर दें।
- यदि आप एक बैठक में पूरी कहानी नहीं पढ़ रहे हैं, तो कहानी के एक रोमांचक व नाटकीय हिस्से पर समाप्त करें, ताकि आपका बच्चा इस बात का इंतज़ार न कर सके कि अब आगे क्या होने वाला है।
- अपने बच्चे को बारी-बारी से कुछ किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन ज़ोर न डालें।
- अपनी आवाज़ के साथ मज़ा करें। चूहे का पात्र आने पर चरमराती हुई आवाज़ में बोलें और किसी पात्र के गुस्सा होने पर कठोर आवाज़ में बोलें। कहानी को जीवंत बनाने के लिए ध्वनि में ““भनभनाहट”” और ““सनसनाहट”” लाएं। दुखद भाग में धीरे, नीची आवाज़ में बात करें; और सुखद भाग के लिए तेज़ी से और अधिक उत्तेजना भरी आवाज़ में बात करें।

## जब आप पढ़ना समाप्त कर लें

- जो आपने अभी-अभी पढ़ा उसके बारे में अपने बच्चे से बात करें। उदाहरण के लिए, “कहानी से आपको क्या सोचने को मिला?” अगर यह गैर-काल्पनिक थी, तो, “मुझे ऐसा कुछ नया बताएँ जो आपने सीखा।”
- किताब के तथ्यों और घटनाओं, साथ ही पात्रों, छवियों और अर्थ के बारे में बात करें। “मैंने ध्यान दिया...”, “मैंने चित्रित किया...”, “मुझे पसंद आया... (या मुझे पसंद नहीं आया... )...” और “मुझे आश्चर्य है कि क्या...” अपने बच्चे से पूछें कि उन्होंने किस पर ध्यान दिया, क्या चित्रित किया, क्या पसंद/नापसंद किया और किस पर आश्चर्य किया।
- अपने बच्चे को उसकी खुद की राय व्यक्त करने को प्रोत्साहित करें और कहें कि वे ऐसा क्यों सोचते हैं।
- अपने बच्चे को सोचने और बात करने देने के लिए उससे प्रश्न पूछें। केवल हाँ या न में उत्तर वाले प्रश्नों के बजाए निरंतर स्वरूप वाले प्रश्नों का उपयोग करें। उदाहरण के लिए “तुम्हें क्यों लगता है कि यह पात्र एक अच्छा दोस्त होगा?” या “उस स्थिति में तुम क्या करोगे?” या “मेढकों के बारे में तुम और क्या जानते हो?”
- घटनाओं को ऐसी चीज़ों से जोड़ें जिन्हें आपका बच्चा पहले से जानता है या जिसका उसने अनुभव किया है।
- अपने बच्चे को फिर से कहानी सुनाने या कोई चित्र बनाने के लिए- या यहाँ तक कि कहानी के कुछ भागों पर अभिनय भी करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।
- कहानी के बारे में किसी और समय पर, सामान्य बातचीत के बीच में बात करें।

पढ़ना कभी भी न रोकें! परिवारों को ऊँची आवाज़ में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही उनके बच्चे खुद पढ़ सकते हों।

शोध दर्शाता है कि ज़ोर से पढ़ने से बच्चे का ज्ञान और शब्दावली, साथ ही उनका लेखन और समझ में सुधार आता है। अपने बच्चों को ज़ोर से पढ़ते हुए सुनकर, परिवार अपने बच्चों के सीखने में सहायता करते हैं और उनके आत्म-विश्वास और सुरक्षा की भावना को बढ़ाते हैं।

बच्चों को पढ़कर सुनाने, और बच्चों के साथ पढ़ने के, सामाजिक और भावनात्मक लाभ भी हैं – यह सकारात्मक मनोदशा और कल्याण की भावना को बढ़ावा देता है।

आप जो पढ़ रहे हैं और जिस बारे में पढ़ रहे हैं, आमतौर पर उसे संदर्भित करने के लिए 'किताब' और 'कहानी' जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है। आप कहीं भी अपने बच्चों के साथ ऊँची आवाज़ में पढ़ सकते हैं – घर पर और बाहर और आसपास – और किताबों, ब्रॉशर, गानों के बोलों और रसोई की किताबों सहित बहुत सारी वस्तुओं का उपयोग कर सकते हैं।